हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 18 फरवरी 2025

11 नकली खाद्य पदार्थों की बिक्री की शिकायतों...

12 एआईयूटीयूसी से जुड़ी यूनियनों ने मांगों को ...

खबर संक्षेप

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

नारनौल। जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने वाले नीमकाथाना क्षेत्र के रहने वाले करीब 27 वर्षीय युवक धर्मबीर योगी का चिकित्सकों ने नारनौल के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करने उपरांत शव को परिजनों को सौंप दिया। जानकारी मुताबिक राजस्थान के नीमकाथाना क्षेत्र की ढाणी जोगियान तन कांथली के एक युवक करीब 27 वर्षीय धर्मबीर योगी पुत्र श्योराम ने अज्ञात कारणों से अपने घर पर ही जहरीला पदार्थ खा लिया था। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे नारनौल के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां युवक ने दम तोड़ दिया।

धर्मबीर योगी।

एसडीएम ने पशु अस्पताल का किया निरीक्षण

नांगल चौधरी। एसडीएम मनोज कुमार ने राजकीय पशु चिकित्सालय भुंगारका का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्सक, वीएलडीए व पशु परिचर अनुपस्थित मिले। एसडीएम मनोज कुमार ने अनुपस्थित अधिकारी व कर्मचारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी कर विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो भी अधिकारी व कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर समय पर नहीं आते हैं, उन सभी पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जनस्वास्थ्य शाखा की यूनियन की हुई बैठक

महेंद्रगढ़। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन मुख्यालय चरखी दादरी हरियाणा कर्मचारी संघ की जन स्वास्थ्य शाखा की यूनियन की बैठक यूनियन कार्यालय के प्रांगण में संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता राज्य प्रेस सचिव अली मोहम्मद ने की। मीटिंग में जिला सचिव श्योताज सिंह और जिला उप प्रधान रामजीलाल बाघोतिया व पूर्व केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारी बलबीर सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में मध्यवर्ती चुनाव प्रक्रिया पर चर्चा हुई।

हकेंवि में संचार उत्सव का आयोजन आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा मंगलवार को संचार उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के अन्य विवि से 300 से अधिक विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। आयोजन में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। विवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि विवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा वार्षिक और सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

आगामी दो मार्च को होने वाले नगर पालिका चुनाव के लिए अंतिम दिन प्रत्याशियों व समर्थकों की रही भीड़

नपा कनीना चुनावः 51 पार्षद व 9 चेयरपर्सन पद के लिए प्रत्याशियों ने दर्ज कराया नामांकन

- अंतिम दिन चेयरपर्सन के लिए 6 व वार्ड पार्षद के लिए 26 नामांकन दाखिल
- आज को होगी नामाकंन पत्रों की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। चुनाव अधिकारी डा. जितेंद्र सिंह अहलावत के सामने नामाकंन पत्र दाखिल करती महिला। फोटो : हरिभूमि

आगामी दो मार्च को होने वाले नगर पालिका चुनाव के लिए अंतिम दिन सोमवार को नामाकंन पत्र दाखिल करने के कार्य में तेजी रही। दोपहर तीन बजे तक चेयरपर्सन पद के लिए छः उम्मीदवार सुमन देवी, सरिता सिंह, कुसुमलता, संतोष देवी, सबिता देवी व दीप्ती ने आवेदन दाखिल किया। वहीं वार्ड पार्षद के लिए 26 नामाकंन पत्र दाखिल हुए। जिनमें वार्ड एक से नीतू यादव, दो से दीपक सिंह, तीन से सुमेर सिंह व थान सिंह, चार से प्रियंका सोनी, पांच से राजकुमार, पंचम यादव व मंजू, छः से राकेश कुमार, सात से राजेश देवी व कमला देवी, आठ से पूजा व रेणु, नौ से दीपक कुमार, 10 से अनिल कुमार, 11 से होशियार सिंह, अनिल यादव व रविंद्र कुमार, 12 से पूनम यादव, अनिता बाई, सुमन देवी व एकता, 13 से सूबेसिंह व देशराज, 14 से अनूप यादव व जयप्रकाश शामिल थे।

चेयरमैन व वार्ड पार्षद के उम्मीदवार अपने ईष्टदेव को मनाकर बैंड बाजे व डीजे के साथ आवेदन केंद्र तक पहुंचे और उत्साह पूर्वक नामांकन पत्र दाखिल किए। बता दें कि इससे पूर्व शुक्रवार को वार्ड पार्षद के लिए तीन, शनिवार को वार्ड पार्षद के लिए 22 व चेयरपर्सन के लिए तीन सहित 28 नामाकंन पत्र दाखिल हुए थे। आवेदन के अंतिम दिन सोमवार तक चेयरपर्सन पद के लिए नौ तथा 14 वार्डों के लिए 51 नामाकंन पत्र दाखिल किए गए हैं। एसडीएम कोर्ट रूम में आवेदन टीम की ओर से सभी औपचारिकताएं करने के बाद आवेदकों को चुनाव अधिकारी के पास भेजा गया। जहां उन्होंने नामाकंन की जांच कर रिसीव किया गया। चुनाव अधिकारी एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि 18 फरवरी को नामाकंन पत्रों की जांच की जाएगी व 19 को नाम वापस लिए जा सकते हैं। इसके बाद चुनाव मैदान में रहने वाले प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह अलाट किए जाएंगे।

चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने कहा कि आगामी दो मार्च को प्रस्तावित अटेली व कनीना नगर पालिका चुनाव को निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से कराने के लिए पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का अमर्यादित भाषा, किसी व्यक्ति विशेष, जाति, धर्म संप्रदाय को आहत करने की मंशा से पोस्ट के रूप में कोई भी वीडियो, फोटो या अभिलेख ना डालें। अगर किसी व्यक्ति अथवा संस्था की ओर से कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट डाली गई, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी प्रकार की भी कोई गलत अफवाह न फैलाएं। अगर कोई भी सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाएगा या फिर किसी किसी के धर्म या जाति पर कोई गलत टिप्पणी करेगा तो उस पर पुलिस सख्त एक्शन लेगी। पुलिस की सोशल मीडिया पर पैनी नजर है। लोगों से ये ही अपील है कि समाज में आपसी भाईचारा बनाकर रखें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग सहयोग, आपसी भाईचारे व सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए ही करें।

मंडी अटेली। नपा चेयरमैन के लिए नामांकन दर्ज कराते हिमांशु गोयल। फोटो : हरिभूमि

मंडी अटेली। नामांकन रूम में दिशा निर्देश देते हुए रिटर्निंग अधिकारी।

खास बातें

- 18 को नामांकनों की छंटनी होगी
- 2 मार्च की तैयारियों को लेकर प्रशासन अलर्ट पुलिस रहेगी तैनात

अटेली नपा चुनाव के लिए चेयरमैन के लिए 13 पार्षद के लिए अब तक 50 नामांकन हुए जमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

दो मार्च को होने वाले अटेली नपा के चुनावों में अब तक चेयरमैन के कुल 13 तथा पार्षद के लिए 50 नामांकन जमा हुए हैं। 18 फरवरी को नामांकनों की छंटनी होगी। सोमवार को नामांकन का अंतिम दिन होने के कारण नपा कार्यालय में काफी गहमागहमी देखी गई। सोमवार को रिटर्निंग अधिकारी व एसडीएम रमित कुमार, सहायक रिटर्निंग अधिकारी व तहसीलदार संजीव नागर 11 बजे से ठीक 3 बजे तक चुनाव प्रक्रिया में अपनी टीम के साथ मुस्तैद रहे। अंतिम दिन सोमवार को चेयरमैन के 11 तथा पार्षद के 30 नामांकन आए।

पूर्व चेयरमैन सुमन गोयल के पति पूर्व पार्षद संजय गोयल ने फार्म भरा, जबकि हिमांशु गोयल ने पूर्व चेयरमैन विकास यादव के साथ अपना नामांकन जमा करवाया है। वहीं दो ऐसे प्रत्याशी हैं, जिन्होंने वार्ड पार्षद के साथ चेयरमैन का भी नामांकन जमा करवाया है। सबसे ज्यादा नामांकन वार्ड 8 में 9 जमा हुए हैं। इसके अलावा वार्ड एक, चार व 10 में आमने सामने का मुकाबला रहेगा। चेयरमैन के लिए धर्मेंद्र शर्मा, राहुल गर्ग, गौरव शर्मा, भूपेश गुप्ता, पंकज, संजय गोयल, सुमन गोयल, सतीश कुमार, सुनील कुमार, अनुज, हिमांशु गोयल, जितेंद्र कुमार एवं विकास यादव ने नामांकन किया है। जबकि नगर पार्षद के लिए पार्षद के लिए वार्ड नंबर एक जो बीसी ए के लिए आरक्षित है, जमा होने वाले नामांकनों में शामिल देवी पत्नी आनंद शर्मा, दीप्ति कुमारी, वार्ड 2 से अशोक कुमार, अंजु गुप्ता, सुधीर कुमार, हिमांशु, संदीप कुमार, वार्ड 3 से प्रेमलता, सुनीता, सोनम यादव, निशा, किरण तथा वार्ड 4 से स्नेहलता पत्नी अजीत बाबू, मुस्कान पत्नी भूपेंद्र हैं। यह वार्ड एससी के लिए रिजर्व है। वार्ड 5 से पूर्जा शर्मा, पिंकी, ललित गुप्ता, सुनील कुमार, अनिल, वार्ड 6 से मनीष कुमार, राहुल, दीपांशु, वार्ड 7 से गौरव गर्ग, राकेश कुमार, अरूण गुप्ता, रवि कुमार, वीना, वार्ड 8 से प्रमोद कुमार, ज्योति देवी, जितेंद्र कुमार, दिपेश गर्ग, अंशुल गोयल, सुमन, सुमित गोयल, पूजा देवी, राकेश सोनी, वार्ड 9 से हितेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, विजय कुमार, ज्योति देवी, तेजपाल, वार्ड 10 से अलका, नविता यादव, वार्ड 11 से घर्मेंद्र, नितेश गुप्ता, मनफूल, सुंदरलाल यादव, वार्ड 12 से महावीर प्रसाद, रामकिशन, अनुज ने नामांकन जमा करवाया है।

रिटर्निंग अधिकारी ने दिए जरूरी निर्देश

कोई भी जमा नामांकन रद्द नहीं हुआ है। एसडीएम रमित कुमार भी रिटर्निंग अधिकारी के रूप में नपा अटेली कार्यालय में मौजूद रहे तथा नामांकन प्रक्रिया के अलावा चुनाव की अन्य प्रक्रिया को शांति व निष्पक्ष कराने के लिए कर्मियों को 2 मार्च की तैयारियों को पूर्ण रूप से करने के लिए दिशा–निर्देश व चुनाव आयोग की गाइडलाइन का अध्ययन करते देखे गए। सहायक रिटर्निंग अधिकारी व तहसीलदार संजीव नागर ने बताया कि चेयरमैन के कुल 13 तथा पार्षद के लिए 50 नामांकन जमा हुए हैं। नामांकनों की 18 फरवरी को छंटनी करने के बाद 19 फरवरी को 3 बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद इसी दिन चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। इस दौरान चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची भी चस्पा कर दी जाएगी।

महेंद्रगढ़। बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर नामांकन दाखिल करते हुए।

बार चुनावः पहले दिन चार पदों पर आए 7 नामांकन

महेंद्रगढ़। बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो चुकी है। नामांकन के पहले दिन चार पदों पर 7 नामांकन आए हैं। मंगलवार को भी नामांकन प्रक्रिया जारी रहेगी। निर्वाचन अधिकारी विनोद सिंह तंवर व सहायक चुनाव अधिकारी आलोक खैरवाल ने बताया कि सोमवार को प्रधान पद के लिए एडवोकट संदीप कुमार, उपप्रधान के लिए सुबोध कुमार, मनोज कुमार शर्मा व सतीश कुमार, सचिव के लिए राहुल कौशिक व शर्मिला देवी तथा सहसचिव के लिए सुनील कुमार ने नामांकन किया है। उन्होंने बताया कि चुनाव तय समय अनुसार 28 फरवरी को सुबह 8 बजे से 4 बजे तक कराया जाएगा। इस दौरान जिला बार एसोसिएशन के करीब 272 अधिवक्ता पांच पदों के लिए अपने प्रत्याशियों के लिए मतदान करेंगे। बार एसोसिएशन में प्रधान, उप प्रधान, सचिव, सह सचिव तथा कोषाध्यक्ष के लिए मतदान कराया जाएगा। मंगलवार को भी नामांकन प्रक्रिया जारी रहेगी। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार प्रत्याशी अपना नामांकन सुबह 11 बजे से 3 बजे तक बार एसोसिएशन के कार्यालय में जमा कर सकेंगे। 19 फरवरी को सिक्योरिटी राशि जमा होगी। 20 फरवरी को प्रत्याशी अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। वहीं शाम फाइनल सूची जारी की जाएंगी। 28 फरवरी को शाम 4 बजे मतदान प्रक्रिया चलेगी तथा मतगणना के बाद चुनाव परिणाम की घोषणा की जाएगी।

- मंगलवार को भी चलेगी नामांकन प्रक्रिया, 28 फरवरी को होंगे बार एसोसिएशन के चुनाव

दुकानदार से फिरौती मांगने के मामले में एसपी से मिले व्यापारी व वकील

- नांगल चौधरी में दुकानदार से मांगी थी 5 लाख रुपये की फिरौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नांगल चौधरी में व्यापारी की दुकान में तोड़फोड़ कर उससे फिरौती मांगने की घटना के विरोध में अनेक व्यापारियों व वकीलों ने सोमवार को एसपी से मुलाकात की।

बता दें कि 15 फरवरी को नांगल चौधरी के बंसल मार्केट में स्थित मोबाइल की दुकान में घुसकर एक बदमाश ने दुकानदार से पर्ची में लिखकर पांच लाख रुपये की फिरौती मांग थी। वहीं दुकानदार के वर्कर पर हमला करने की कोशिश भी की गई थी। इसी मामले में व्यापार मंडल नांगल चौधरी तथा नांगल चौधरी के वकीलों ने एसपी से मुलाकात की। व्यापारियों ने एक ज्ञापन एसपी पूजा वशिष्ठ को भी दिया। एसपी को दिए गए ज्ञापन में कहा कि 15 फरवरी को ब्रजमोहन उर्फ विक्की बंसल अपनी दुकान श्याम मोबाइल पर सुबह करीब पौने दस बजे बैठा हुआ था। दुकान पर वर्कर नरेन्द्र व हितेंद्र भी थे। उसी समय एक लड़का जिसका नाम प्रिंस, गांव मोहनपुर का भांजा है, अपने हाथों में एक बांस का डण्डा लेकर आया व जबरदस्ती दुकान के अन्दर घुस गया। उसने दुकान के काउन्टर पर आकर वर्कर सोमदत्त को एक पर्ची दी। जिसमें लिखा था पांच लाख रुपये दो दिन के अन्दर मिल जाने चाहिए।

नारनौल। एसपी से मिलने आए व्यापारी। फोटो : हरिभूमि

सीसीटीवी में कैद हो गई थी वारदात

वारदात दुकान में लगे हुए सीसीटीवी कैमरा में रिकॉर्ड हो गई। वर्कर सोमदत्त ने नांगल चौधरी थाना में शिकायत दर्ज करवाई थी। जिस पर पुलिस थाना नांगल चौधरी ने दोषी प्रिंस को गिरफ्तार कर लिया। दुकानदार का कहना है कि यह साजिश केवल प्रिंस की नहीं है, बल्कि अन्य भी कई लोग इसमें शामिल हैं।

न्यूज डायरी

नारनौल। मतदान बूथ का निरीक्षण करती एसपी पूजा वशिष्ठ। फोटो : हरिभूमि

एसपी ने किया मतदान बूथों का निरीक्षण

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने अटेली व कनीना नगर पालिका चुनाव के मद्देनजर मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि एसपी ने निरीक्षण के क्रम में अटेली मतदान केंद्रों पर सुरक्षा संबंधी पहलुओं का जायजा लिया। वहां पर संबंधित थाना प्रबंधकों से बूथों की जानकारी ली। मतदान केंद्रों में शौचालय, बिजली, पानी आदि मूलभूत सुविधाओं के साथ सुरक्षा संबंधी पहलुओं का जायजा लिया। पुलिस की ओर से अटेली व कनीना नगर पालिका चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित कराने की योजना बनाई जा रही है। पोलिंग बूथ की सुरक्षा संबंधी नीतियों का भी खासा ख्याल रखा जाएगा, साथ ही सभी मतदान केंद्रों पर पुलिस की ओर से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।

कनीना। नामांकन प्रक्रिया देखते पुलिस पर्यवेक्षक एसपीएस ध्यानचंद।

पुलिस पर्यवेक्षक ने नामांकन कक्ष का किया निरीक्षण

कनीना। अटेली व कनीना नगर पालिका चुनाव के लिए एचपीएस ध्यान चंद, पुलिस अधीक्षक पीटीसी सुनारिया को पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। पुलिस पर्यवेक्षक ने सोमवार को अटेली व कनीना का दौरा किया व ईवीएम तथा नामांकन कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने चुनाव के मध्यनजर कानून व्यवस्था के लिए बनाई गई रणनीति के संबंध में संबंधित पुलिस अधिकारियों से चर्चा की। पुलिस पर्यवेक्षक ने चुनाव के मद्देनजर लगाए गए नाकों को भी चैक किए। इस दौरान संबंधित थाना प्रबंधक भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने सभी से निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित बनाने को कहा। पुलिस पर्यवेक्षक ने स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने को लेकर किए गए प्रबंधों की जानकारी ली।

राष्ट्रीय सिटी सर्वे प्रोग्राम में नारनौल शहर शामिल

नारनौल। शहरी भूमि की सही पहचान के लिए राष्ट्रीय सिटी सर्वे प्रोग्राम में हरियाणा के नारनौल, पंचकूला व मानेसर शहर का चयन हुआ है। कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान देश के 150 शहरों में शहरी लैंड रिकॉर्ड के लिए 18 फरवरी को इस योजना का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। वहीं स्थानीय स्तर पर लघु सचिवालय में पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव करेंगे। यह जानकारी देते हुए जिला नगर आयुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम 18 फरवरी को सुबह 11 बजे लघु सचिवालय में शुरू होगा। इस कार्यक्रम के लिए सभी प्रकार की तैयारी पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि रायसेन मध्य प्रदेश में होने वाले इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के तौर पर देश के नागरिकों को अपना संदेश भी देंगे।

अनूसूचित जाति की बैठक में बुद्धिजीवियों की बैठक में समाजहित में लिए कई फैसले

नई पहलः मृत्युभोज, शादी व दसोठन पर नहीं होगा सहभोज

- समाज के बुद्धिजीवी 10 वर्ष से गांव में चला रहे थे मुहिम, रविवार को गांव आयोजित कार्यक्रम में लिया गया निर्णय
- समाज के लोगों का कहना है कि मृत्युभोज व दसोठन पर कार्यक्रम आयोजित करने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को उठानी पड़ती थी अधिक परेशानी

विकास कुमार ▶▶| महेंद्रगढ़

मृत्यु भोज की प्रथा गरीब परिवार को भीतर से तोड़ देती हैं। कई बार इसके लिए गए कर्ज का भार दूसरी पीढ़ी भी उठाती हैं, लेकिन महेंद्रगढ़ क्षेत्र के गांव निम्बेहड़ा के अनूसूचित जाति के ग्रामीणों ने एक ऐसा साहसिक निर्णय लिया है, जो न केवल अंधविश्वास की बेड़ियों को तोड़ने वाला है, बल्कि भोज के नाम पर कर्ज के बोझ से भी गरीबों को निजात दिलाएगा। समाज के लोगों ने तय किया है कि किसी के निधन पर वे न तो मृत्यु भोज करेंगे, न मेल करेंगे और न ही कुआं पूजन पर दसोठन का आयोजन होगा। रविवार को अनूसूचित जाति के समाज के लोगों की मौहल्ला आंबेडकर कॉलोनी में बैठक हुई। इसी बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को सुधारने की जरूरत है। इसलिए मृत्यु भोज नहीं किया जाए और न ही लग्न पर की जाने वाले मेल व कुआं पूजन पर दसोठन कराया जाए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि समाज में किसी की भी मृत्यु पर इसी परंपरा को आगे ने बढ़ाया जाए। इस निर्णय में मुख्य रूप से अमर सिंह बौद्ध, मास्टर धन्सीराम, पूर्व प्रवक्ता रामप्रताप, सोमपाल, संदीप कुमार थानेदार ने सर्वसम्मति से कुप्रथा को रोकने का निर्णय लिया। इस मौके पर अमर सिंह बोद्ध, मास्टर धन्सीराम, पूर्व प्रवक्ता रामप्रताप, सोमपाल, संदीप कुमार थानेदार,रामेश्वर, रामप्रताप, होशियार सिंह, संतोष, ओमप्रकाश, बिजेंद्र, ग्यारसीलाल, चांदराम, राजू, सुशील कुमार, सोनू कुमारी, गोपीचंद, हनुमान, अमर सिंह, बलजीत व प्रीतम सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। ग्राम पंचायत निम्बेहड़ा।

एक मृत्यु भोज पर लाखों रुपये होते हैं खर्च

अमर सिंह बौद्ध ने बताया कि एक आंकलन के अनुसार मृत्यू भोज पर करीब चार से पांच लाख रुपये से ज्यादा खर्च होता है। लोग मृत्यु भोज के नाम पर अपनी जिंदगी को आर्थिक विपन्नता में धकेल देते हैं। वह अंधविश्वास और पाखंड के खिलाफ अभियान चलाते रहे हैं। यह सामाजिक कुप्रथा है, यह मरने वाले परिवार पर आर्थिक बोझ है। उन्होंने कहा कि जहां खाने वाले और खिलाने वाले दोनों का मन दुखी हो वहां भोजन नहीं करना चाहिए। मृत्यु भोज समाज की कुरीति है। उन्होंने कहा कि समाज को मृत्यु भोज पहले हीं बंद कर देना चाहिए था। पंचायत में सभी लोगों ने संकल्प लिया कि वे मृत्यु भोज नहीं करेंगे। सभी ने बैठक में निर्णय लिया कि आने वाले दिनों में मृत्यु भोज के नाम पर पीड़ित परिवारों को परेशान नहीं होने देंगे। मृत्यु भोज से पीड़ित परिवार पर आर्थिक दबाव पड़ता है। कई लोग तो मृत्यु भोज के नाम पर लाखों रुपये कर्ज लेकर या जमीन गिरवी लगाकर जिदगीभर परेशान और तबाह रहते हैं। इसलिए समाज से मृत्यु भोज का परंपरा हटना चाहिए।

नशा परिवार के लिए चिंता का विषय

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि नशे के खिलाफ मौहल्ले में अभियान चलाया जाएगा। अमर सिंह ने कहा कि नशे के कारण अनेक परिवारों के युवा लड़के संलिप्त हो चुके हैं, जो कि परिवार के लिए चिंता का विषय है। इस दौरान उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि युवाओं को नशे की गर्त से निकालने के लिए गांव की जिम के लिए विशेष व्यवस्था करनी होगी, वहीं खेलों के लिए सामान आदि का भी प्रबंध करना होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों के अलावा शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हैं तो युवा नशे की गर्त से दूर जाएगा और गांव का नाम भी रोशन करेगा।

हरिभूमि सहेली

आपने आपको अंडर-एस्टिमेट करना या कहें कमतर आंकने का मतलब है, आपमें सेल्फ-एस्टीम की कमी है। इसका असर आपकी पर्सनल लाइफ में आपके रिश्तों पर, प्रोफेशनल लाइफ में आपकी प्रोग्रेस पर और मेंटल हेल्थ पर भी पड़ता है। मेंटल हेल्थ बिगड़ने से तो जीवन में दूसरी बहुत-सी रुकावटें, समस्याएं जन्म लेती हैं। आप कैसे पहचानें कि लो सेल्फ एस्टीम की शिकार हैं, इससे कैसे जल्द से जल्द उबर कर आप अपना स्वस्थ, सफल और सुखी जीवन जिएं। आपके लिए बहुत ही जरूरी सलाह।

कहीं आप सेल्फ-एस्टीम की कमी के शिकार तो नहीं

कवर स्टोरी
ललिता गोयल

क्या आप खुद को नापसंद करती हैं, दूसरों से कम समझती हैं, हमेशा किसी न किसी बात के लिए खुद को कोसती रहती हैं, अपने आप पर विश्वास नहीं करतीं, खुलकर अपनी तारीफ स्वीकार नहीं कर पातीं, हर गलत बात के लिए अपने आपको दोषी ठहराती हैं, आपको कोई भी काम ठीक से न कर पाने की चिंता सताती रहती है? अगर ऐसा है तो ये बातें यह दर्शाती हैं कि आप खुद को कम समझती हैं, आपमें सेल्फ-एस्टीम यानी आत्म-सम्मान की कमी है।

क्या है सेल्फ-एस्टीम

सेल्फ-एस्टीम या आत्म-सम्मान ऐसी भावना है, जो किसी भी व्यक्ति को उसकी अहमियत का अहसास कराती है। जब हम खुद को समझते हैं, अपनी खूबियों को पहचानते हैं, तब हम खुद को वैल्यू देते हैं। खुद को समझकर और वैल्यू देकर जीवन की चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर पाते हैं। एक कामयाब इंसान बनते हैं।

जीवन में सेल्फ-एस्टीम का होता है बहुत महत्व

किसी भी व्यक्ति में सेल्फ-एस्टीम का होना या न होना, उसकी मेंटल हेल्थ, रिलेशनशिप और प्रोफेशनल ग्रोथ पर गहरा असर डालता है। जिन लोगों में लो सेल्फ-एस्टीम होता है, वे अपनी असफलताओं पर अधिक ध्यान देते हैं और अपनी सफलताओं को नजर-अंदाज करते हैं। इससे उनमें डिप्रेशन और एंग्जाइटी की प्रॉब्लम हो सकती है। सेल्फ-एस्टीम मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाती है। तनाव दूर करती है। जिन लोगों में सेल्फ-एस्टीम होता है, वे किसी से बात करने और उनकी मदद लेने में सहज होते हैं। लो सेल्फ-एस्टीम होने पर वे समाज से कट सकते हैं, जबकि बेहतर सेल्फ-एस्टीम की वजह से वे खुलकर अपनी बात कहते हुए मजबूत रिश्ते बना सकते हैं।

लो सेल्फ-एस्टीम के नुकसान

सेल्फ-एस्टीम की कमी होने के कारण व्यक्ति अपने किसी भी काम को लेकर कॉन्फिडेंट नहीं होता है। उसके लिए अपनी जिंदगी के बड़े फैसले लेने में मुश्किलें आती हैं। ऐसे लोग खुद को किसी लायक नहीं मानते, इसी कारण अपनी स्किल्स पर भी काम नहीं कर पाते हैं। कई बार तो कुछ लोगों को यह पता ही नहीं चल पाता कि उनमें सेल्फ-एस्टीम की कमी हो रही है।

सेल्फ-एस्टीम की कमी के लक्षण

सेल्फ-एस्टीम के लाभ और लो सेल्फ-एस्टीम के नुकसान को जानने के बाद यह जानना भी जरूरी है कि सेल्फ-एस्टीम की कमी होने पर कौन-कौन से लक्षण दिखाई देते हैं।

खुद को लेकर नेगेटिव रहना: जिन लोगों में सेल्फ-एस्टीम की कमी होती है, ऐसे लोग ज्यादातर

खुद को लेकर नेगेटिव ही रहते हैं। ऐसे लोग खुद को हमेशा किसी न किसी चीज के लिए कोसते रहते हैं। इन्हें हमेशा लग रहा होता है कि इनकी लाइफ में कुछ भी बेहतर नहीं होता है। ऐसे व्यक्ति अपनी जिंदगी को ज्यादा मुश्किल बना लेते हैं, अपना कॉन्फिडेंस खोने लगते हैं।

कॉन्फिडेंस की कमी होना: सेल्फ-एस्टीम की कमी के कारण लोग अपना आत्म-सम्मान खोने लगते हैं। उनके लिए अपने जीवन के छोटे-बड़े फैसले कर पाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे व्यक्ति दूसरों पर निर्भर रहने लगते हैं और कोई भी काम खुद करने की कोशिश नहीं करते हैं।

तारीफ स्वीकार न कर पाना: सेल्फ-एस्टीम की कमी वाले लोग हमेशा खुद को दूसरों से कम ही समझते हैं। ऐसे में अगर कोई उनकी तारीफ भी करता है, तो उन्हें लगता है कि तारीफ करने वाला उनकी चापलूसी कर रहा है, वे उस तरह के लायक नहीं है और उनके लिए अपनी तारीफ स्वीकार कर पाना काफी मुश्किल हो जाता है।

दूसरों को इंप्रेस करते रहना: दूसरों की किसी क्वालिटी या काम की तारीफ करना अच्छी बात है। लेकिन दूसरों को इंप्रेस करने की कोशिश में सामने वाले की हर बात की तारीफ करना भी सेल्फ-एस्टीम की कमी की ओर इशारा करता है। ऐसे में व्यक्ति दूसरों को खुद से बेहतर दिखा रहा होता है और न चाहते हुए भी खुद को दूसरों से कम मानने लगता है। ऐसे में व्यक्ति अपनी तुलना हमेशा दूसरों से करता रहता है, जो उसका कॉन्फिडेंस कम होने का कारण भी बन सकता है। सेल्फ-एस्टीम की कमी होने से मानसिक स्वास्थ्य और आपसी रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। धीरे-धीरे आप अपने सेल्फ-एस्टीम को बढ़ा सकती हैं। छोटे-छोटे बदलाव और कुछ आसान कदमों से आप फिर से सेल्फ-एस्टीम की भावना महसूस कर सकती हैं।

सेल्फ-एस्टीम बढ़ाने के उपाय

लंबे समय तक लो सेल्फ-एस्टीम का शिकार होना मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है, इससे जल्द से जल्द उबरना चाहिए। अपना सेल्फ-एस्टीम बढ़ाने के लिए क्या उपाय अपनाएं, जानें-

खुद को दें शाबाशी: अपनी हर छोटी और बड़ी कामयाबी के लिए खुद को शाबाशी दें, क्योंकि जब तक आप अपनी वैल्यू नहीं करेंगी तब तक दूसरे भी आपको वैल्यू नहीं कर पाएंगे।

निर्धारित करें अपनी सीमाएं: अपनी सीमाएं जरूर निर्धारित करके रखें क्योंकि अगर आपकी अपनी कोई सीमा नहीं होगी, तो लोग आपका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

खुद को बेहतर बनाएं: अपनी स्किल्स पर काम करना शुरू करें और खुद को बेहतर बनाएं। इससे आपमें कॉन्फिडेंस और आत्म-सम्मान की भावना बढ़ेगी। हर रोज थोड़ा-थोड़ा खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करें, यह चीज आपको आत्म-सम्मान बढ़ाने में मदद कर सकती है। इसलिए खुद पर काम करना शुरू करें।

खुद को कभी कमतर न आंकें: खुद से यह कभी न कहें कि मैं कुछ नहीं कर सकती हूं। ऐसा करके आप अपने रास्ते में खुद ही रुकावट डालेंगी। आप खुद को जितना कमतर समझेंगी, आगे बढ़ने में आपको उतनी ही मुश्किल होगी।

स्वास्थ्य का रखें ध्यान: अगर आप खुद को महत्वपूर्ण समझती हैं, तो अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें। हेल्दी डाइट लें, सही नींद और मानसिक शांति आपके आत्म- सम्मान को बढ़ाती है। इसके लिए रेग्युलर मेडिटेशन और एक्सरसाइज करें।

अपनी छोटी-छोटी सफलताओं को दें महत्व: अपनी छोटी-छोटी सफलताओं पर ध्यान दें, जैसे, अपने जिम रूटीन को पूरा करना या किसी मुश्किल प्रोजेक्ट को समय पर खत्म करना।

निरंतर सीखते रहें: यह जरूरी नहीं कि आपको सब कुछ परफेक्ट या सही तरीके से करना आता हो। इसलिए किसी भी चीज को सीखना सबसे महत्वपूर्ण है, फिर चाहे वह आपकी नौकरी से संबंधित हो या आपके शौक से जुड़ा हुआ कुछ हो।

छोटे और साधारण लक्ष्य बनाएं: बड़ी उम्मीद पालने की बजाय छोटे और साधारण लक्ष्य बनाएं। हर छोटे लक्ष्य की सफलता आपको आत्म-विश्वास और ऊर्जा देगी।

बच्चों के एग्जाम की तैयारी करवाना पैरेंट्स के लिए भी कम स्ट्रेसफुल नहीं होता है। लेकिन ऐसे में आपको ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए, जिससे बच्चे की टेंशन और बढ़े। एग्जाम की तैयारी करवाते समय किन बातों का ध्यान पैरेंट्स रखें, आपके लिए बहुत जरूरी सलाह।

जब करवाएं बच्चे की एग्जाम प्रिपरेशन

एडवाइस
शिखर चंद जैन

मीनल अपने नौ वर्षीय बेटे अंशुल को बुरी तरह डांट रही थी। तभी वहां आई पड़ोस में रहने वाली उसकी सहेली आभा ने पूछा, 'क्या हुआ मीनल, इसने कोई शैतानी की है क्या?'

मीनल ने कहा, 'नहीं आभा, मैं तो इसके पढ़ने के तरीके से परेशान हूं। एग्जाम नजदीक हैं, सब बच्चे बोल-बोलकर पढ़ते हैं, याद करते हैं। एक यह है कि पता नहीं चुपचाप क्या करता रहता है? कभी बोलकर पढ़ता ही नहीं।'

इस पर आभा ने समझाते हुए कहा, 'मीनल हर बच्चे का पढ़ने और याद करने का अपना तरीका होता है। इसे डांटो मत। वह चुपचाप इंपॉर्टेंट प्वाइंट्स को अपनी सुविधा के लिए अंडरलाइन कर रहा होगा और कॉपी में समरी के रूप में बुलेट प्वाइंट बनाता होगा।' तब मीनल को अपनी गलती का अहसास हुआ।

बिना वजह डांटने से बचें: एग्जाम नजदीक आते ही पैरेंट्स अपने बच्चों को उसकी तैयारी करवाने के लिए कमर कसकर जुट जाते हैं। इस प्रेशर में कई पैरेंट्स अपने बच्चों पर न सिर्फ अनावश्यक पाबंदियां लगा देते हैं बल्कि उन्हें बेमतलब डांटते-फटकारते भी हैं। इससे बच्चा टेंशन में आ जाता है। नतीजतन पढ़ाई में उसका मन नहीं लगता। पैरेंट्स को यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके बच्चे का लर्निंग स्टाइल क्या है, उसके अनुसार ही उसे गाइडेंस दें।

टाइम मैनेजमेंट में हेल्प करें: अपने बच्चे को परीक्षा की तैयारी में मदद करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उसे टाइम टेबल बनाने के लिए एनकरेज करें। इससे न केवल उसके पास अपने सभी विषयों को पूरी तरह से कवर करने का समय होगा, बल्कि इससे उसका मन भी एकाग्रता से पढ़ने के लिए तैयार रहेगा।

समझें बच्चे का लर्निंग स्टाइल: हर बच्चे का चीजों को सीखने, नई जानकारियां हासिल करने और याद करने का अपना ढंग होता है। अगर बच्चा विजुअल लर्नर है तो वह सब्जेक्ट पढ़ते समय प्रमुख बिंदुओं और पंक्तियों को हाईलाइट करेगा, अलग-अलग कलर से प्वाइंट्स बनाएगा और बीच-बीच में नोटबुक में अपनी सुविधा के मुताबिक डायग्राम, ग्राफिक्स या बुलेट प्वाइंट लिखेगा। उसे एजुकेशनल वीडियो देखना भी पसंद हो सकता है। वहीं ऑडिटरी लर्नर बच्चे, विषय को बोल-बोलकर पढ़ते हैं। वे दूसरे बच्चों से डिस्कस करते हैं और एक-दूसरे को विषय सुनाते और समझते भी हैं। कुछ बच्चे हर 15-20 मिनट या आधे घंटे के अंतराल पर उठकर पानी पीते हैं और खिड़की की तरफ झांकने लगते हैं। कुछ बच्चे लगातार दो से तीन घंटे एक ही सिटिंग में पढ़ना पसंद करते हैं। इसलिए बच्चे की लर्निंग स्टाइल पर उसे न टोकें।

इमोशनल सपोर्ट दें: बच्चों के लिए एग्जाम टाइम स्ट्रेसफुल होता है। इस दौरान उनके लिए इमोशनल सपोर्ट बहुत महत्वपूर्ण होता है। अपने बच्चे की समस्याओं, चिंताओं को सुनने और एनकरेज करते रहें।

रिविजन के लिए प्रेरित करें: एग्जाम्स की अच्छी तैयारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम है रेग्युलर रिवीजन। इससे बच्चा जो याद करेगा, उसे कभी नहीं भूलेगा।

रेस्ट करने के लिए भी कहें: बच्चे एग्जाम की तैयारी के दौरान कई बार मानसिक रूप से थक जाते हैं। उन्हें आराम की जरूरत होती है। नियमित ब्रेक लेने से तनाव को दूर करने में मदद मिल सकती है।

हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

बालों के लिए फायदेमंद है मुलेठी

बढ़ते पॉल्यूशन और अव्यवस्थित लाइफस्टाइल की वजह से अधिकतर महिलाएं किसी न किसी हेयर प्रॉब्लम से परेशान रहती हैं। बालों का असमय सफेद होना, कम उम्र में बालों का झड़ना, कमजोर और पतले बाल जैसी समस्याएं अब बहुत कॉमन हो चुकी हैं। धूल, मिट्टी और पोषण की कमी की वजह से बाल पतले, डल और बेजान होने लगते हैं। आंवला, भृंगराज के साथ-साथ मुलेठी का उपयोग बालों को कोमल चमकदार और जड़ों से मजबूत बनाने में काफी सहायक हो सकता है।

डेंड्रफ प्रॉब्लम होगी दूर: अगर आप बालों में रूसी यानी डेंड्रफ की समस्या से परेशान हैं तो मुलेठी का इस्तेमाल कारगर हो सकता है। मुलेठी को पीसकर पावडर बना लें। अब कांच के बाउल में एक चम्मच नीबू का रस, एक चम्मच शहद मिला लें और जब यह अच्छे से मिल जाए तो एक चम्मच मुलेठी पावडर को मिलाकर पेस्ट बना लें। मुलेठी में एंटी बैक्टीरियल गुण मौजूद होने की वजह से इस हेयर पैक को बालों और सिर पर लगाने से डेंड्रफ की समस्या से निजात मिलेगी। इसे आप हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

रोकता है हेयर फॉलिंग: हेयर फॉलिंग और गंजेपन की समस्या से निपटने में भी मुलेठी का हेयर पैक काफी कारगर साबित होता है। इसे बनाने के लिए कांच के बाउल में एक चम्मच मुलेठी पावडर और कुछ केसर के धागे अच्छी तरह मिलाने के बाद इसमें 1 कप दूध डालकर बने मिश्रण को रात के समय अपने बालों पर लगाएं और शॉवर कैप से बालों को कवर करके सो जाएं। सुबह इसे माइल्ड शैंपू से धो डालें।

काले बालों के लिए: अगर आपके बाल असमय सफेद हो रहे हैं तो दही और मुलेठी का पेस्ट कारगर साबित हो सकता है। इसके लिए दही और मुलेठी पावडर को बराबर मात्रा में मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें और इस पेस्ट को बालों पर लगाकर सूखने के बाद माइल्ड शैंपू से धो डालें। इस पेस्ट को आप हफ्ते में एक बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

मुलेठी का हेयर मास्क: हेयर मास्क बनाने के लिए कांच के बाउल में आधा केला, 2 चम्मच मेहंदी पावडर और 1 चम्मच मुलेठी पावडर को अच्छे से मिलाकर एक समान गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों पर 45 मिनट तक लगाने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

जीवनशैली
डॉ. मोनिका शर्मा

यह सही है कि विवाह के बाद किसी युवती के लिए नए घर, नए परिवार और परिवेश में घुलना-मिलना आसान नहीं होता है। लेकिन अगर आप हर तरह के पूर्वाग्रहों और आशंकाओं से मुक्त होकर, स्नेह-प्रेम के भाव लेकर, पूरी सकारात्मकता के साथ नए जीवन में प्रवेश करेंगी तो सब कुछ आपकी कल्पना से भी सुंदर होगा।

पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर रखें नए जीवन में अपने कदम

जीवन भर के लिए दो इंसानों के मन जोड़ने वाले वैवाहिक गठबंधन में शुरुआती पड़ाव पर ही समझदारी आवश्यक है। दो परिवारों को एक डोर में बांधने वाला शादी का रिश्ता, इमोशनल और प्रैक्टिकल दोनों ही मोर्चों पर नई शुरुआत ही होता है। संबंधों से लेकर रहन-सहन और सोच-समझ तक, हर पहलू पर इसमें नयापन समाया होता है। जरूरी है कि इस नएपन को सकारात्मक भाव संग अपनाने के लिए हर पूर्वाग्रह से परे होकर नई जिंदगी का स्वागत किया जाए। दुल्हन के मन में भावी जीवन के लिए बंधी-बंधाई सोच नहीं बल्कि सहजता का भाव हो। तयशुदा खांचे या विचार से परे ससुराल और जीवनसाथी से जुड़ाव बनाने की यह संतुलित समझ, सदा के लिए रिश्तों की नींव पक्की कर देगी।

पूर्वाग्रहों से बचें: सबसे पहले तो यह समझ लें कि यह जीवन की नई शुरुआत है। अपने मन को भी पूरी तरह इस नएपन से जोड़ें। सुनी-सुनाई बातों के प्रति अपना रुख सहज रखने का प्रयास करें। देखने में आता है कि वैवाहिक जीवन से जुड़े बहुत से पहलू बदलने के बावजूद युवतियां शादी के बंधन को लेकर भयभीत रहती हैं। कई बार इस तयशुदा सोच को अपने-पराए अपनी राय के रूप में खाद पानी भी खूब देते हैं। ऐसे पूर्वाग्रहों को दिलो-दिमाग से निकाल दें। अब सोशल सिस्टम में बहुत कुछ बदल गया है। पारिवारिक परिवेश में भी कितने ही नए बदलावों को सहज स्वीकार्यता मिली है। अपने रिश्तों को जीवंत रखने के लिए, नए जीवन की शुरुआत करते हुए हर तरह के पूर्वाग्रह से बचें।

शंकाओं से न घिरें: संदेह की बुनियाद पर वैवाहिक रिश्ते का भवन नहीं बनाया जा सकता है। इसीलिए शादी के पहले या बाद में, मन में आई हर शंका का हल व्यावहारिक रूप से तलाशें। घर से बड़ों को सही जानकारी लेने को कहें। कोई उलझन हो तो आज की शिक्षित सजग युवतियों को स्वयं ही स्पष्ट सवाल कर बात क्लीयर कर लेनी चाहिए। एक ओर भावी जीवनसाथी का सोशल मीडिया प्रोफाइल देखकर व्यक्तित्व को जरा विशेष समझने की गलतफहमियां पैदा हो जाती हैं तो दूसरी ओर दिखावे के बर्ताव से दूर सधे-संयमित व्यक्तित्व को कमजोर समझ लिया जाता है। संवाद की अति और सूचनाओं के समंदर में जाने कितनी ही शंकाएं-आशंकाएं मन को घेर लेती हैं। उस घर की बेटी के साथ तो ऐसा हुआ या फलाने रिश्तेदार की बेटी ने क्या-क्या झेला? जैसी बातें नए रिश्ते के प्रति शंकाएं बढ़ाती हैं। जाने-अनजाने पूर्वाग्रहों के बीज बोती हैं। ऐसे में किसी शंका का समाधान करने की राह चुनें न कि शक के घेरे में और उलझती जाएं। ऐसी बातें वेडिंग एंजाइटी बढ़ाती हैं। फिक्र के घेरे में आप शादी के खुशनुमा पलों को भी नहीं जी पाएंगी।

समझें रस्मों में निहित संदेश: बेटी को लक्ष्मी मानने वाले हमारे समाज में विदाई के समय पीछे की ओर चावल फेंकने की एक रस्म भी होती है। यह रिवाज न केवल बिटिया के जाने के बाद भी मायके में धन-धान्य बने रहने से बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि वह हर नकारात्मकता और पूर्वाग्रह को पीछे उड़ेलकर नए जीवन की ओर कदम बढ़ा रही है। विवाह आयोजन आपके और आपके अपनों के लिए खुशियों को जीने का अवसर है। इस अवसर को सकारात्मकता से अपनाएं।

सलाहों के फेर में ना फंसें

शादी कैसे निभाई जाए? नए रिश्तों को कैसे साधा जाए? लाइफ पार्टनर को कैसे समझा जाए और यहां तक कि नई जिंदगी में कैसे सब कुछ अपने हाथ में लिया जाए? जैसी सलाहें अपने ही नहीं पराए भी खूब देते हैं। मिसाल के तौर पर, 'उसने तो शादी के बाद पहले दिन से ऐसा किया। इसने तो शुरू से ही किसी की नहीं सुनी। देखो, एक बार ससुराल में सबकी बात मानी तो फिर तुम्हारी कोई नहीं सुनेगा। तुम किसी मामले में कम हो क्या?' लंबी फेहरिस्त में न समाने वाले ऐसे उदाहरण मन को डिगाने वाले होते हैं। साथ ही क्या और कैसे किया की रणनीति वाली सलाहें भी दिलो-दिमाग को उलझा देती हैं। ध्यान रहे कि हर घर का माहौल अलग होता है। इन बातों की बुनियाद पर अपना दृष्टिकोण न बनाएं। सहजता से सब संभाल लेने का सकारात्मक भाव रखें।

मेडिकल एडवाइस
डॉ. अंशुमाला शुक्ला कुलकर्णी
हेड-मिनिमली इंवेसिव गायनेकोलॉजी, गायनेकोलॉजी लेप्रोस्कोपिक-रोबोटिक सर्जरी
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

महिलाओं से जुड़ी ऐसी बहुत सी बीमारियां हैं, जिनके बारे में उन्हें मालूम नहीं होता और धीरे-धीरे वह बीमारी बड़ा रूप ले लेती है। एंडोमेट्रियोसिस ऐसी ही एक बीमारी है। इस बीमारी के कारण, लक्षण और ट्रीटमेंट के बारे में बता रहे हैं आपको।

लापरवाही से बढ़ सकती है एंडोमेट्रियोसिस की प्रॉब्लम

कई आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में 10 से 15 प्रतिशत महिलाएं एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित हैं। एंडोमेट्रियोसिस एक लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है, फिर भी जागरूकता की कमी और इसके लक्षण बहुत ही सामान्य होने की वजह से अकसर इसका ट्रीटमेंट समय पर नहीं हो पाता है।

कैसे होती है यह प्रॉब्लम: जब यूटेरस के लेयर की तरह एक टिश्यू, यूटेरस कैविटी के बाहर बढ़ने लगता है तो यह ओवरी, फैलोपियन ट्यूब और पेल्विक लिगामेंट को प्रभावित करने लगता है। इस एब्नॉर्मल टिश्यू ग्रोथ की वजह से स्वेलिंग आ जाती है और टिश्यू चिपक जाता है। उसके निशान पड़ जाते हैं, जिससे दर्द होता है और प्रेग्नेंसी में प्रॉब्लम जैसे अलग-अलग लक्षण दिखाई देते हैं। इसे ही एंडोमेट्रियोसिस कहते हैं। यह स्थिति महिलाओं में 25 साल की उम्र में शुरू हो सकती है और लगभग 50 साल की उम्र तक जारी रह सकती है। ज्यादातर महिलाएं इस बीमारी से अनजान रहती हैं।

एंडोमेट्रियोसिस के प्रमुख लक्षण: पेल्विक एरिया में क्रॉनिक पेन, जो पीरियड्स के दौरान बढ़ता है।

- पीरियड्स की अनियमितता, उन दिनों में बहुत ज्यादा दर्द होना, ज्यादा मात्रा में ब्लीडिंग होना। सेक्स के दौरान दर्द होना।
- शौच या पेशाब करते हुए बहुत दर्द होना।
- पीरियड्स के दौरान थकान, सूजन और वॉमिट फील होना।
- एंडोमेट्रियोसिस की वजह से प्रजनन अंगों को नुकसान होता है और गर्भधारण करने में परेशानी होती है।

हार्मफुल होती है लापरवाही : एंडोमेट्रियोसिस के लक्षण हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं। कभी-कभी बहुत हल्के या कम फील हो सकते हैं। कुछ महिलाओं में जब तक उन्हें गर्भधारण करने में कठिनाई न हो, तब तक इसके लक्षण महसूस नहीं होते हैं। इसलिए जब तक गर्भधारण करने में परेशानी न हो तब तक महिलाएं अपनी इन समस्या के लिए डॉक्टर से कंसल्ट नहीं करती हैं। जागरूकता की कमी की वजह से एंडोमेट्रियोसिस का निदान में देरी हो जाती है।

डायग्नोसिस-ट्रीटमेंट: एंडोमेट्रियोसिस का ट्रीटमेंट तभी शुरू हो सकता है, जब कंडीशन पूरी तरह डायग्नोस कर ली जाती है। ट्रांसवेजाइनल अल्ट्रासोनोग्राफी, एमआरआई और मिनिमली इंवेसिव लैप्रोस्कोपिक कुछ ऐसी डायग्नोस्टिक तकनीकें हैं, जिनका उपयोग सटीक निदान के लिए किया जाता है। रोबोट असिस्टेड सर्जरी जैसी उन्नत सर्जिकल मैथड्स ने एंडोमेट्रियोसिस सर्जरी के परिणामों में काफी इंप्रूवमेंट किया है। सर्जरी के लिए कई बार कोलोरेक्टल सर्जन और यूरोलॉजिस्ट के साथ मल्टी-डिसिप्लिनरी डायग्नोसिस की भी जरूरत पड़ सकती है। इसके अलावा, डायग्नोस्टिक स्टेप्स में लक्षणों की जांच के साथ-साथ पूरी मेडिकल हिस्ट्री भी ली जाती है। एंडोमेट्रियोसिस के प्रॉपर ट्रीटमेंट के लिए मल्टी-डिसिप्लिनरी एंगल से डायग्नोसिस पर ध्यान देना जरूरी है। ऐसे हॉस्पिटल्स जहां गायनेकोलॉजिस्ट्स, रेडियोलॉजिस्ट, पेन स्पेशलिस्ट्स और फर्टिलिटी एक्सपर्ट एक साथ पेशेंट की कंडीशन पर कंसल्ट कर सकते हैं। इससे पेशेंट को उनके लक्षणों, बीमारी के चरण और प्रेग्नेंसी इश्यूज के अनुसार इलाज मिलता है। ट्रीटमेंट में आमतौर पर दर्द के लिए दवा, बीमारी की प्रगति को धीमा करने वाली हार्मोनल थेरेपी और गंभीर मामलों में स्कार टिश्यू और एंडोमेट्रियल ग्रोथ को हटाने के लिए सर्जरी की जाती है।

प्रस्तुति: सहेली फीचर्स

खबर संक्षेप

न्यूज लोकतंत्र में संविधान सर्वोपरिः प्राचार्य कुसुमलता

मंडी अटेली। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अटेली में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बेंगलुरु लॉ प्रशिक्षु जतिन यादव ने बच्चों को संविधान और कानूनी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन विधिक साक्षरता प्रभारी डॉ. सीएस वर्मा ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को संविधान के मूलभूत अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक करना रहा। लॉ प्रशिक्षु जतिन यादव ने बच्चों को संविधान के महत्व और इसके प्रावधानों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कानूनी जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि कानून हमारे देश को सुरक्षित और न्यायपूर्ण बनाता है। प्रधानाचार्य कुसुमलता ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान देश में सर्वोपरि है।

राव उदयसिंह की सातवीं पुण्यतिथि मनाई

नारनौल। ढाणी मामराज तन कांवी में स्वर्गीय नेताजी राव उदयसिंह की सातवीं पुण्यतिथि मनाई गई। पुण्यतिथि पर नेताजी के बड़े पुत्र नेताजी राजपाल यादव व छोटे पुत्र प्रवक्ता राकेश कुमार ने कांवी, खानपुर, ढाणी बाठोठा एवं मूलोदी के 33 छात्र-छात्राओं को इलेक्ट्रोनिक केतली व स्टील की बोतल भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही आसपास के गांवों के 21 वरिष्ठ नागरिकों को भी गर्म लोई व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. महीपाल ने किया। अध्यक्षता हैडमास्टर रामचंद्र ने की। अपने संबोधन में हैडमास्टर रामचंद्र ने राव उदय सिंह नेताजी द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि अपने नेक कर्मों की बदौलत वह समाज पर अमिट छाप छोड़ गए हैं। वह लोगों के दिलों में अपना घर बनाकर गए हैं तथा उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाः गरीबों की छत पर लगभग मुफ्त में सोलर

- बिजली बिल में बचत के अलावा कम इस्तेमाल करने पर पैसे भी मिलेंगे
- योजना को गति देने के लिए एडीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। सौर ऊर्जा के संबंध में अधिकारियों की बैठक लेते एडीसी डा. आनंद कुमार शर्मा। फोटो : हरिभूमि

केंद्र व हरियाणा सरकार पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से गरीब लोगों का आर्थिक उत्थान करने जा रही है। इस योजना से गरीबों को न केवल बिजली के बिल में राहत मिलेगी, बल्कि अगर वे बिजली का कम इस्तेमाल करेंगे, तो उन्हें पैसे भी मिलेंगे। जिले में इस योजना को और तेजी से लागू करने के लिए सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। एडीसी ने बताया कि हरियाणा एवं केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना निःशुल्क सौर ऊर्जा स्थापित करने का एक बेहतरीन अवसर है। इस योजना से न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्यावरण का संरक्षण होगा।

यह मिलेगी सब्सिडी

एडीसी ने बताया कि 1.80 लाख रुपये से नीचे की वार्षिक आय के लाभार्थियों को दो किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर 60 हजार रुपये तक की सब्सिडी केंद्र सरकार की ओर से तथा 50 हजार की अतिरिक्त सब्सिडी हरियाणा सरकार की ओर से दी जाएगी। एडीसी ने बताया कि 1.80 लाख से तीन लाख तक की वार्षिक आय के लाभार्थियों को दो किलो वाट तक के सोलर सिस्टम पर 60 हजार की सब्सिडी केंद्र सरकार की ओर से दी जाएगी, जबकि 20 हजार रुपये की सब्सिडी हरियाणा सरकार की ओर से दी जाएगी। उन्होंने बताया कि तीन लाख से अधिक आय वाले उपभोक्ताओं दो किलोवाट तक के सोलर सिस्टम के लिए 78000 तक की सब्सिडी दी जाएगी। यह योजना ग्रामीण व शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए है।

एडीसी ने बताया कि इस योजना से हर महीने सौर ऊर्जा से 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी। इस योजना में गरीब परिवारों के लिए लगभग 100 फीसदी सब्सिडी के साथ सौर पैनल पूरी तरह से मुफ्त में स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि दो किलो वाट का सोलर सिस्टम लगवाने पर लगभग 1.20 लाख से लेकर 1.30 लाख रुपये तक का खर्च आएगा।

यह राशि पहले जमा करवानी होगी। सोलर सिस्टम लगने के बाद सरकार की ओर से उसी खाते में सब्सिडी डाल दी जाएगी। इस योजना के लिए बैंक लोन भी उपलब्ध है। उन्होंने सभी बीडीपीओ को निर्देश जारी किया कि वह खंड स्तर पर इस योजना के लिए कैंप लगाकर नागरिकों के आवेदन करवाएं। योजना के तहत पंजीकरण करवाने के लिए ऑफिसियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। इस संबंध में जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 155555 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए लाभार्थी के पास कानूनी रूप से अपना मकान और उपयुक्त छत होनी चाहिए। साथ ही बिजली का वैध कनेक्शन होना चाहिए। इसके अलावा लाभार्थी को इससे पहले किसी सरकारी सौर सब्सिडी का लाभ नहीं लिया हुआ होना चाहिए। इस बैठक में बिजली निगम के एसई जोगिंदर हुड्डा, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

टीम ने नांगल चौधरी में दो अर्धसैनिक कैंटीन खादय सामान का लिया सैंपल

नकली खाद्य पदार्थों की बिक्री की शिकायतों पर टीम ने की छापेमारी

- नांगल चौधरी के बाजारों में डा. राजेश वर्मा के नेतृत्व में छापामारी अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। सैंपल लेते खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारी डा. राजेश वर्मा।

बिना लाइसेंस, बिना रजिट्रेशन व बाजारों में नकली खाद्य पद्वार्थों की बिक्री होने की मिल रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए खाद्य विभाग ने सोमवार को नांगल चौधरी के बाजारों में डा. राजेश वर्मा के नेतृत्व में छापामारी अभियान चलाया। जिसके तहत टीम कोटपुतली रोड पर दो अर्धसैनिक कैंटीन पर पंहुची। जहां से साबुदाना व अन्य खाद्य सामान का सैंपल लिया, लेकिन जैसे ही खाद्य पूर्ति विभाग ने इन दुकानों पर से सैंपल लिए तो ये बात आग की तरह शहर में फैल गई और छापेमारी की सूचना मिलते ही खाद्य सामग्री बेच रहे सभी दुकानदारों ने अपने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए तथा सैंपल टीम का ध्यान रखने के लिए चक्कर लगाने लग गए।खाद्य सामग्री का सामान बेचने वालों की दुकानें बंद होने के कारण टीम को केवल दो ही दुकानों के सैंपल मिल पाए। लिए गए सैंपल को टीम अपने साथ लेकर गई। जहां उनकी जांच कर गुणवक्ता जांची जाएगी। यदि जांच में सैपल फैल हो गए तो कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार नांगल चौधरी में खाद्य सामग्री बेचने वालों की सैकड़ों दुकानें हैं। जहां से हजारों की संख्या में लोग इन दुकानों से काफी मात्रा में तेल, चीनी, दाल, नमक, मिर्च, घी सहित रसोई में रोजाना प्रयोग होने वाला सामान खरीद करते हैं। जिसमें लगभग सामान पैकिंग में आने लग गया हैं। विभाग को शिकायत मिल रही थी कि नांगल चौधरी में असली मार्का लगा हुआ नकली सामान मार्केट में मिल रहा हैं, जोकि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकते है, लेकिन कुछेक दुकानदार मोटा मुनाफे कमाने के चक्कर में कम गुणवता वाले नकली खाद्य पद्वार्थ बेच रहे हैं। जिन पर मार्का तो असली हैं, लेकिन सामान नकली हैं। जिनको ध्यान में राते हुए खाद्य आपूर्ति विभाग ने सोमवार को छापेमारी अभियान चलाया।

व्यापारियों ने बंद की दुकानें

नकली व कम गुणवता वाले खाद्य पद्वार्थ बेचने की शिकायत पर दुकानों पर सैंपल भरने के लिए खाद्य आपूर्ति विभाग ने नांगल चौधरी में छापेमारी की। जिसकी सूचना लगते ही खाद्य पद्वार्थ बेचने वाले दुकानदार अपनी अपनी दुकानें बंद कर के छापेमारी टीम का पता करते हुए नजर आए। तब तक दुकानें नहीं खोली जब तक टीम सैंपल लेकर वापस नहीं चली गई। इस तरह से टीम की सूचना मिलने पर दुकानें बंद करने से लोगों के जिहान में ये बात जरूर आई है कि अगर जब इन दुकानदारों के पास सामान लेने जाते है तो ओरिजनल व अच्छी क्वालिटी का बताया जाता है, लेकिन अब जब टीम सैंपल लेने आई है तो इन सबने अपनी दुकानें बंद क्यों कर ली। क्या सच में असली मार्का का नकली सामान बाजार में मिल रहा हैं। इससे तो ऐसा ही प्रतीत होता है कि बाजार में असली के नाम पर नकली खाद्य सामान मिल रहा हैं, जोकि सेहत को धीरे धीरे बीमार कर सकते हैं।

कार्रवाई रहेगी जारीः डा. राजेश वर्मा

खाद्य आपूर्ति विभाग की छापेमारी का नेतृत्व कर रहे डा. राजेश वर्मा ने कहा कि काफी दिनों से बाजारों में बिना लाइसेंस, बिना रजिट्रेशन के साथ नकली और कम गुणवता वाले खाद्य पद्वार्थों के बिकने की शिकायतें मिल रही थी। जिस पर संज्ञान लेते हुए विभाग की ओर से छापेमारी कर सैंपल लिए लिए गए हैं, कमियां मिली है उनका नोटिस दिया गया है। साथ ही सैंपल सामान को सील करके जांच के लिए भेजा जाएगा। सैंपल गलत मिलने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सैंपल लेने की सूचना पाकर लगभग दुकानदार अपने प्रतिष्ठान बंद कर गए, लेकिन सैंपल लेने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। लोगों की सेहत बिगाड़ने वाले कम गुणवता व नकली खाद्य पद्वार्थ बाजारों में नहीं बिकने दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिन दुकानदारों की सालाना 12 लाख रुपये से कम बिक्री है, वो अपना रजिस्ट्रेशन करवा ले व जिनकी बिक्री 12 लाख से ऊपर है वो अपना लाइसेंस बनवा ले।

न्यूज डायरी

सतनाली। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी में कुकिंग विदाउट फायर ऐक्टिविटी का आयोजन

सतनाली। यदुवंशी स्कूल में सोमवार को कुकिंग विदाउट फायर ऐक्टिविटी का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को स्वस्थ आहार और पोषण के बारे में जागरूक करना था, साथ ही उन्हें रचनात्मक तरीके से खाना बनाने का मौका देना था। बेस्ट फूड तैयार करने वाले छात्र एवं छात्राओं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों एवं छात्राओं ने बिना चूल्हे या ओवन का उपयोग किए कई प्रकार के स्वादिष्ट और स्वस्थ व्यंजन तैयार किए। बच्चों ने फल, सब्जियां, दही, मिक्स नट्स और अनाज से विभिन्न प्रकार के सैंडविच, सलाद, स्मूदी और नो-बेक डेजर्ट्स तैयार किए। इस कार्यक्रम में छात्रों ने यह सीखा कि कैसे आसानी से स्वस्थ और पौष्टिक आहार तैयार किया जा सकता है, जो उनकी सेहत के लिए फायदेमंद हो।

महेंद्रगढ़। बग्गी पर बनवारा निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

सिसोठ में दादा ने घोड़ी बग्गी पर निकाला पोती का बनवार

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ निवासी हरिराम फोरमेन ने अपनी पोती मनीषा पुत्री स्वर्गीय रामपाल चौहान का बनवारा घोड़ी बग्गी पर निकालकर बेटा-बेटी एक समान होने का संदेश दिया है। मनीषा की शादी गांव कोथल खुर्द के निशांत पुत्र सूबेदार महाबीर सिंह के संग होनी हैं। इसी खुशी के अवसर पर दादा हरिराम चौहान, दादी भरपाई देवी ने मनीषा का बनवारा डीजे के साथ घोड़ी बग्गी पर निकाला और सामाज में बेटा बेटी एक समान होने का संदेश दिया। इस दौरान युवा चेतना एवं जागरुकता समिति के उपाध्यक्ष व ममाज टीम सदस्य मुकेश चौहान ने मनीषा को हरियाली का प्रतीक पौधा भेंटकर बेटी को आर्शीवाद दिया।

नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विद्या भारती स्कूल में विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में पूर्व में आयोजित छात्रवृत्ति परीक्षा में छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह का उद्घाटन संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व वाइस चेयरपर्सन डा. उषा यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में आसपास के गांवों के लगभग 550 विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों ने भाग लिया। परीक्षा में सफल हुए प्रतिभागियों को संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने फूलमाला पहनाकर, मेडल व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य विनोद यादव ने बताया कि विद्यालय की तरफ से हर वर्ष छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की जाती है तथा इसमें सफल हुए विद्यार्थियों को फीस में 100 प्रतिशत तक की भी छूट दी जाती है। अतः छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल विद्यार्थी अतिशीघ्र विद्यालय में रजिस्ट्रेशन करवाकर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डा. रविन्द्रा यादव, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी आदि मौजूद थे।

सप्ताह में 7 केस, 9 अवैध हथियार व 12 जिंदा कारतूस बरामद

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने कहा कि जिले में अपराध की रोकथाम के लिए पुलिस की ओर से अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशा निर्देश में कार्य करते हुए जिले में फरवरी माह में पिछले दो सप्ताह में अवैध कारोबारों में संलिप्त आरोपितों पर सख्त कार्रवाई करते हुए स्पेशल अभियान के तहत अवैध हथियारों के शौकीन आरोपितों पर पुलिस ने कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने बताया कि अवैध व गैर कानूनी अपराधों को अंजाम देने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

विजय स्कूल में हुई करियर सेमिनार

- विद्यार्थियों को दिए जीवन में रोजगार प्राप्ति के टिप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को संबोधित करते विजय यादव। फोटोः हरिभूमि

विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना में गत दिवस 10वीं तथा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कैरियर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में मुख्यवक्ता चेयरमैन विजय यादव टूमना रहे, जिन्होंने बच्चों को उनके कैरियर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक महेंद्र सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम हमारी संस्था द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जाते रहे हैं, जिससे बच्चों को अपने बेहतर भविष्य निर्माण में सहायता मिलती है। मुख्यवक्ता विजय यादव टूमना ने पहले बच्चों के सवालों का जवाब दिया और कैरियर निर्धारण में आने वाली समस्याओं पर गहनता से बच्चों के साथ बात की। उन्होंने बताया कि अगर बच्चों को सही समय पर मार्गदर्शन मिल जाता है तो वो आसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। प्रिंसिपल नत्थू सिंह ने बताया कि कैरियर सेमिनार एक ऐसी प्रक्रिया हैं। जिससे बच्चों को कैरियर, शिक्षा और जीवन के अहम फैसले लेने में काफी मदद मिलती है। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने अपने जीवन के सफर के अनुभव भी बच्चों के साथ साझा किए। कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल नत्थू सिंह ने चेयरमैन विजय यादव टूमना को अपना कीमती समय देने के लिए और बच्चों के मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद किया।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। फोटो : हरिभूमि

वाटरशेड यात्रा अभियान का किया स्वागत

महेंद्रगढ़। गांव गढ़ी के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी एवं वाटरशेड कमेटी गढ़ी के सहयोग से वाटरशेड यात्रा अभियान का स्वागत किया गया तथा जल एवं भूमि संरक्षण के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वाटरशेड यात्रा अभियान का शुभारंभ केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री व कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा पांच फरवरी को मध्य प्रदेश से किया गया। यह वाटरशेड यात्रा वैन देशभर के सभी प्रदेश के सभी गांवों में जल एवं भूमि संरक्षण जागरूकता के लिए जाएगी, जिनमें इस समय वाटरशेड परियोजना संचलित हैं। कृषि विज्ञान केंद्र के संयोजक डॉ. जयलाल ने किसानों को कम पानी की खपत वाली फसल लेने के बारे में प्रोत्साहित किया तथा किसानों को आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि के साथ पशुपालन अपनाने पर जोर दिया। उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. अजय यादव ने बताया कि केवल कार्यक्रम में आने से जल संरक्षण के लक्ष्य प्राप्त नही हो सकते, परंतु इस कार्यक्रम में बताई गई जल एवं भूमि संरक्षण की जानकारी पर अमल करने से व जल संरक्षण को अपनी आदतों में शामिल करने से होगा।

निजामपुर में बाल विवाह विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बाल विवाह होने की सूचना मिले तो तुरंत प्रभाव से स्थानीय पुलिस को दें जानकारीः सुमन राणा

- कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। बाल विवाह पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते आयोग के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से सोमवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निजामपुर में बाल विवाह विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य सुमन राणा व गणेश कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। सुमन राणा व गणेश कुमार ने संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत 18 वर्ष से कम आयु की लड़की व 21 वर्ष से कम आयु के लड़के को नाबालिग माना जाता है। यदि कम आयु में विवाह किया जाता है तो यह संज्ञेय और गैर जमानती अपराध है। ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है उसको बढ़ावा देता है या उसकी सहायता करता है, तो दो साल तक की सजा और एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। उन्होंने कहा कि अपने समाज व परिवार के इर्द गिर्द बाल विवाह होने की सूचना मिले तो तुरंत प्रभाव से स्थानीय पुलिस को देनी चाहिए, ताकि बाल विवाह को रूकवाया जा सके। उन्होंने कहा कि छोटी उम्र में विवाह होने से बच्चें के मानसिक, शारीरिक व बौद्धिक विकास की कमी होती है। यहां तक बच्चे में हीन भावना भी आती है। उन्होंने पोक्सो अधिनियम के बारे में भी बच्चों को जागरूक किया। संरक्षण अधिकारी एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरीता शर्मा ने बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 की विस्तृत जानकारी, कानूनी प्रक्रिया, बाल विवाह करवाने वालों के खिलाफ केस होने की जानकारियां दी। इस मौके पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी संदीप, बाल कल्याण समिति के सदस्य राजेश गोयल, चेतन शर्मा, ममता व कुमुदनी श्रीवास्तव, बाल संरक्षण अधिकारी संतोष कुमारी व सुषमा यादव, सामाजिक कार्यकर्ता कमल व लेखाकार प्रेमलता मौजूद थी।

हैप्पी स्कूल के 43 छात्रों ने जेईई मेंन में रचा इतिहास

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों ने जेईई मेन परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विंग प्रभारियों के अनुसार हितांश पुत्र सुनील कुमार 99.90 परसेंटाइल के साथ उच्च स्थान पर रहा, दिव्य पुत्र रविप्रकाश 98.99 परसेंटाइल, आदित्य पुत्र महेश कुमार 97.74 परसेंटाइल, सौरव पुत्र सुनील कुमार 97.67 परसेंटाइल, सृष्टि गोयल पुत्री मुकेश गोयल 96.95 परसेंटाइल, आर्यन पुत्र नवनीत कुमार 96.74 परसेंटाइल और तनिष्क पुत्र इंद्रजीत 95.61 परसेंटाइल अंकों के साथ सफलता प्राप्त की हैं। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने कहा कि ये सभी हैप्पी स्कूल के हीरे हैं, जो विद्यालय के मेहनती एवं अनुभवी अध्यापकों के द्वारा तराशे गए हैं। संस्था प्रबंधक निदेशक मनीष अग्रवाल ने बताया कि देश के चुनिंदा इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिला पाने का यह अहम प्रवेश द्वार है। मैनेजर चंचल अग्रवाल ने इस शानदार उपलब्धि के लिए विद्यालय के सभी सीनियर विंग के कोचिंग एक्सपर्ट दिनेश यादव, विकास मराठा, प्रदीप यादव, विंग हैड संजीव कुमार शर्मा को शानदार परिणाम के लिए बधाई दी।

हितांश।

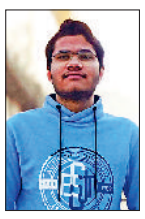

दिव्य।

बेसिक फर्स्ट एड पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से सोमवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थनवास में एक दिवसीय बेसिक फर्स्ट एड पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर डिविजनल कमांडर टेकचंद यादव ने विद्यालय के स्टाफ व बच्चों को सीपीआरए घायल व्यक्ति के खून के रिसाव को रोकना, जलना, हिट स्टॉक, फैक्चर आदि पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। रेडक्रॉस संस्था से नांगल चौधरी ब्लॉक कोऑर्डिनेटर दितेन्द्र कुमार ने कहा कि बेसिक फर्स्ट एड एक प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा प्रदान कर लोगों के जीवन को बचाने के लिए सहायता प्रदान करना है। उ रेडक्रॉस से काउंसलर राजेश कुमार व पवित्र यादव ने विद्यार्थियों को रक्त के रिसाव को रोकना, जलना, फैक्चर और सीपीआर का डेमो दिया।

पटीकरा में राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर आयोजित

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय की एनएसएस की तीनों इकाई के सानिध्य व प्राचार्या डा. पूर्ण प्रभा की अध्यक्षता में एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ पटीकरा गांव में किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने किया। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि एनएसएस के उद्देश्यों को साकार करते हुए अनुशासन में रहे व शिविर में श्रमदान दें। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के तीनों कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर मुकेश, डा. सत्यपाल सुलोदिया व डा. सतीश सैनी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि हिमांशु ने सरस्वती पूजा व पुष्प अर्पित किए। उन्होंने एनएसएस के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। प्रथम सत्र में पर्यावरण क्लब अधिकारी डा. चंद्रमोहन ने नशा मुक्ति जागरूकता विषय पर विस्तार व्याख्यान दिया।

सुपोषण में अच्छा कार्य करने वाले 42 आंगनबाड़ी केंद्रों का चयन, सर्वे के बाद मिलेंगे 1 लाख

खास बातें
- सुपोषित हरियाणा सुपोषित ग्राम पंचायत योजना को लेकर डीसी ने ली बैठक
- सरकार का लक्ष्य, हर बच्चा तंदुरुस्त रहे : डीसी डा. विवेक भारती

नारनौल। सुपोषित हरियाणा सुपोषित ग्राम पंचायत को लेकर अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डा. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के हर बच्चे को पूरी खुराक मिले तथा तंदुरुस्त रहें। मुख्यमंत्री का इस विषय पर विशेष फोकस है। बच्चों के लिए केंद्र तथा राज्य सरकार की कई योजनाएं चल रही है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि ये सभी योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग तक पहुंचे। ये निर्देश उपायुक्त डा. विवेक भारती ने सोमवार को लघु सचिवालय में सुपोषित हरियाणा सुपोषित ग्राम पंचायत के तहत आयोजित बैठक में दिए। इस अवसर पर मिशन वात्सल्य, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ तथा वन स्टॉप सेंटर को लेकर भी बैठक ली।

उन्होंने कहा कि अभिभावकों व बच्चों के खान पान और जीवनशैली में बदलाव के लिए प्रोत्साहित करें। वर्कर लगातार बच्चों की हाइट और वेट पोषण ट्रेकर पर अपलोड करें। उन्होंने कहा है कि कुपोषण को समाप्त करने के लिए हमें एक साथ मिलकर काम करना होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने 26 दिसंबर 2024 को पूरे देश में कुपोषण को समाप्त करने तथा स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ाने के उद्देश्य से सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान का शुभारंभ किया था। इस अभियान का उद्देश्य पंजीकृत लाभार्थियों के लिए भौतिक व संरचना सेवा वितरण स्थिति और कौशल परिणाम बेंचमार्क स्तर को प्राप्त करने के लिए ग्राम पंचायत के आंगनबाड़ियों को प्रोत्साहित करना है। देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली एक हजार सुपोषित ग्राम पंचायत में से प्रत्येक को एक एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

कार्यक्रम की ऑनलाइन रिपोर्टिंग की

डीसी ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में सुपोषण में अच्छा कार्य करने वाली 42 आंगनबाड़ी केंद्रों का चयन हुआ है। इन्होंने सभी कार्यक्रम की ऑनलाइन रिपोर्टिंग की है तथा आंगनबाड़ी को बेहतर ढंग से चलाने का काम किया है। इनमें सभी प्रकार की ढांचागत सुविधाएं भी बेहतर हैं। अब विभागीय टीम इन 42 आंगनबाड़ी केंद्र का सर्वे करेगी। उसके बाद अंत में थर्ड पार्टी निरीक्षण होगा। अगर इस दौरान इनका कार्य अच्छा मिलता है तो इन सभी 42 आंगनबाड़ी केंद्रों में से चयनित आंगनबाड़ी केंद्रों को एक एक लाख रुपये की प्रोत्साहित राशि दी जाएगी। इसमें से 25 हजार रुपये की राशि संबंधित ग्राम पंचायत को दी जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों में कुपोषण को समाप्त करने के लिए सरकार की ओर से आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषक आहार दिया जा रहा है। अधिकारी इसका लगातार निरीक्षण करें।

ये मौजूद रहे

इस मौके पर जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव, वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक वंदना यादव, अनूप कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

बार एसोसिएशन चुनाव में आवेदनों की जांच की

कनीना। आगामी 28 फरवरी को होने वाले बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के लिए दाखिल किए नामाकंन पत्रों की सोमवार को जांच की गई। जिसमें सभी आवेदन सही पाए गए। चुनाव अधिकारी एडवोकेट दिनेश कुमार यादव व सह चुनाव अधिकारी नवीन कौशिक ने बताया कि प्रधान पद के लिए एडवोकेट वेदप्रकाश गुर्जर, सतीश कुमार, मंजीत सिंह, अखिल अग्रवाल व राकेश कुमार सहित पांच नामाकंन पत्र दाखिल हुए। उपप्रधान पद के लिए एडवोकेट ममता यादव व संदीप कुमार, सविव पद के लिए एडवोकेट संदीप कुमार व सोमबीर सिंह, सहसचिव पद के लिए एडवोकेट जितेंद व संत कुमार ने आवेदन किया है।

डॉ. इंदु ठाकुर बनी हरियाणा केंद्रीय विवि की छात्रा प्रमुख

महेंद्रगढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा प्रांत के 56वें प्रांत अधिवेशन 14 से 16 फरवरी संत सूरदास की नगरी फरीदाबाद में बोस यूनिवर्सिटी में आयोजित हुआ। अभाविप विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। प्रांत अधिवेशन में हरियाणा के प्रत्येक जिले से युवा तरूणाई ने भाग लिया। अधिवेशन में कार्यकर्ताओं को कॉलेज, यूनिवर्सिटी कैंपस में कार्य करने के लिए कार्य पद्धति के बारे में बताया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने देश को एक ऐसा छात्र संगठन दिया है, जो वर्षों के अथक परिश्रम और समर्पण से बना है। एक ऐसा छात्र संगठन जो युवा पीढ़ी को अपने देश और समाज के प्रति जागरूक करने के लिए अथक प्रयास करता है।

वर्कर्स यूनियनों ने सीटीएम मंजीत सिंह को सौंपा ज्ञापन

एआईयूटीयूसी से जुड़ी यूनियनों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के अखिल भारतीय मांग सप्ताह के क्रम में मजदूर-कर्मचारी विरोधी नीतियों का जताया विरोधी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। ज्ञापन सौंपते यूनियन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

केन्द्रीय श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के अखिल भारतीय मांग सप्ताह के क्रम में केंद्र व राज्य सरकार की मजदूर कर्मचारी विरोधी व पूंजीपति परस्त नीतियों के खिलाफ सोमवार को एआईयूटीयूसी से जुड़ी 13 यूनियन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन हरियाणा, मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन, आशा कार्यकर्ता यूनियन, भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन, ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ऑपरेटर यूनियन, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन, ग्रामीण चौकीदार संगठन, एजुसैट स्कूल चौकीदार यूनियन, मनरेगा मजदूर यूनियन, क्रैच वर्कर यूनियन, बाल सेविका व सहायिका यूनियन, आंगनबाड़ी कुक कार्यकर्ता यूनियन, स्वयं सहायता समूह यूनियन के श्रमिकों ने लघु सचिवालय में विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद 13 यूनियन के प्रतिनिधियों की ओर से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला उपायुक्त के मार्फत नगराधीश मंजीत सिंह को सौंपा।

इससे पूर्व एआईयूटीयूसी से जुड़ी यूनियन के श्रमिक कर्मचारी लघु सचिवालय पार्क में एकत्रित हुए तथा जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह की अध्यक्षता में सभा हुई। सभा को एआईयूटीयूसी जिला प्रधान कामरेड राजेन्द्र सिंह एडवोकेट ने सम्बोधित करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार श्रमिक विरोधी नीतियां लागू कर श्रमिकों के जनवादी अधिकार छिन रही है। श्रमिकों के संघर्षों व बलिदान से हासिल श्रम हितैषी कानूनों को समाप्त कर चार लेबर कोड लागू किए जा रहे हैं। जनता के खून पसीने की कमाई से बने सरकारी विभागों, सार्वजनिक उद्योग व संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों को कोड़ियों के दाम बेचा जा रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन की जिला सचिव सन्तोष ढिल्लो, आशा कार्यकर्ता यूनियन की राज्य महासचिव मधु देवी व मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन की सुनीता ने कहा कि स्कीम वर्कर्स को सरकार अपना कर्मचारी मानें। ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ऑपरेटर यूनियन के जिला प्रधान महेन्द्र सिंह चौहान व जिला सचिव सुरेंद्र कुमार मकसुसपुरिया ने ग्राम पंचायत ट्यूबवेल ऑपरेटर को नियमित करने की मांग की। भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन के जिला प्रधान सीताराम ने सरकार की ओर से हजारों भवन निर्माण मजदूरों के पंजीकरण बंद करने की कड़ी आलोचना की।

इस मौके पर ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान पवन कुमार, ग्रामीण चौकीदार संगठन के जिला प्रधान सुरेश चन्द नंगली, एजुसैट स्कूल चौकीदार के जिला सचिव रूपचन्द, एसयूसीआई कम्युनिस्ट के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश, एआईयूटीयूसी जिला सचिव छाजूराम रावत, कमलेश, राजकुमार गुलवला, सन्तोष यादव, महावीर प्रसाद गोद, जगदीश प्रसाद, मुकेश कुमार आदि मौजूद थे।

मांगों को लेकर मजदूर यूनियन 4 मार्च को करेगी श्रममंत्री के आवास पर प्रदर्शन

कनीना। भवन निर्माण कामगार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह, उपाध्यक्ष देसराज, महासचिव राममेहर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार के पिछले 10 वर्ष के कार्यकाल में भवन निर्माण मजदूरों का समय पर पंजीकरण नहीं हो रहा है। वहीं सरकार की ओर से मिलने वाली अन्य सुविधाएं भी नसीब नहीं हो रही हैं। इस कार्य में भ्रष्टाचार पनप रहा है। सरकार राजनैतिक फायदे के लिए बोर्ड फंड का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 22 लाख से ज्यादा मजदूर भवन निर्माण का काम करते हैं। 2005 में निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड का गठन किया गया था। 20 साल बीत जाने के बाद 60 फीसदी निर्माण मजदूर बोर्ड में अभी तक पंजीकृत नहीं हैं। जिसे लेकर लेकर श्रमिकों में भारी रोष व्याप्त है। परेशान मजदूर आगामी चार मार्च को प्रदेश के श्रममंत्री अनिल विज के आवास पर प्रदर्शन करेंगे। जिला सचिव शिवकुमार सेहलंग ने कहा कि मजदूरों की मांगों को लेकर चार मार्च श्रममंत्री के अंबाला आवास पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

ये हैं मुख्य मांगें

श्रमिक विरोधी चार लेबर कोड रद्द किए जाए, श्रमिकों के हित में श्रम कानूनों को लागू किया जाए, ट्रेड यूनियन अधिकारों को बहाल किया जाए, कार्य दिवस के घंटे बढ़ाने के बजाय आठ घंटे से घटाकर 6 घंटे किया जाए, बिजली बिल 2023 वापस लिया जाए, प्री पेड स्मार्ट बिजली मीटर लगाना बंद किए जाए, स्कीम वर्करों सहित हर तरह के मजदूरों को 28 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जाए, मिड डे मील कुकों को पूरे 12 माह का मानदेय दिया जाए, रोजगार का अधिकार संविधान में मौलिक अधिकार के रूप में दर्ज किया जाए, सभी बेरोजगारों को स्थाई रोजगार दिया जाए, बेरोजगारी भत्ता न्यूनतम वेतन से आधा दिया जाए, आंगनबाड़ी, आशा, मिड डे मिल कर्मियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण व हित लाभ की प्रक्रिया सरल की जाए, मनरेगा मजदूरों व खेत मजदूर को 800 दैनिक दिहाड़ी पर साल में कम से कम 200 दिन रोजगार दिया जाए, स्थाई प्रकृति के कामों में लगे कौशल, ठेका, अनुबंध, कैजुअल, आउटसोर्सिंग या डेली वेज श्रमिकों को पक्का किया जाए, हटाए गए व छंटनी किए गए मजदूरों को बहाल किया जाए, कर्मचारियों की पुरानी पेंशन स्कीम बहाल की जाए, निजीकरण पर रोक लगाई जाए, सरकारी विभाग को बेचना बंद किया जाए, सरकारी विभागों में खाली पदों पर स्थाई भर्ती की जाए, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, शोषण, नशाखोरी व अश्लीलता पर रोक लगाई जाए।

टीबी मुक्त अभियान को लेकर बैठक आयोजित

नारनौल। टीबी मुक्त अभियान की समीक्षा बैठक लेते एडीसी डा. आनंद कुमार शर्मा।

- टीबी के मरीजों को इलाज चलने तक प्रतिमाह एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। टीबी उन्मूलन को लेकर हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन का विशेष फोकस है। 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान को कामयाब बनाने के लिए सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने लघु सचिवालय में चिकित्सकों के साथ बैठक की। एडीसी ने कहा कि जिले में टीबी के मरीजों की स्क्रीनिंग और उपचार के लिए 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान जारी है। इस अभियान में जनभागीदारी के साथ काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, प्राइवेट प्रैक्टिशनर व लैबोरेट्री तकनीकी अधिकारी की भूमिका सबसे अहम है। टीबी युक्त मरीजों को सरकार की योजना के तहत सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर जांच व दवाइयां मुफ्त में उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने बताया कि निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी के मरीजों को सरकार इलाज चलने तक प्रतिमाह 1000 रुपये भी प्रोत्साहन राशि के रूप में देती है। नागरिकों को इसके लिए प्रोत्साहित करें। इस बैठक में सिविल सर्जन डा. नवीन यादव, एसएमओ नांगल चौधरी डा. धर्मेश सैनी, विश्व स्वास्थ्य संगठन की कंसलटेंट कृतिका बंसल व डा. आकाश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

दो सप्ताह से अधिक खांसी है तो टीबी के लक्षण

एडीसी डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि टीबी के शुरूआती लक्षण खांसी है। दो सप्ताह से ज्यादा खांसी आना, बार बार पसीना आना, थकावट होना, वजन घटना, सांस लेने में परेशानी आना, बुखार आना टीबी के मुख्य लक्षणों में शामिल है। ऐसे में नागरिक अपने स्वास्थ्य की जांच जरूर कराएं।

शिविर में एडीसी ने सुनी जन समस्याएं

नारनौल। अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर कुल 12 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी। एडीसी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर हर रोज सुबह 10 से 12 तक लगाए जा रहे समाधान शिविरों में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। समाधान शिविर नागरिकों के लिए अपनी समस्याएं रखने का सशक्त माध्यम बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से प्रत्येक शिकायत पर कड़ी निगरानी की जा रही है। इस मौके पर नगराधीश मंजीत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

गुरुद्वारे के पास माता की चौकी आयोजित

नारनौल। माता की चौकी में झांकी प्रस्तुत करते हुए।

नारनौल। टाईगर क्लब परिवार के तत्वावधान में माता रानी की चौकी सुरेंद्र ढुआ के निवास पर बड़े गुरुद्वारे के पास सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता टाईगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव ने की। माता रानी की चौकी के मुख्य यजमान सुरेंद्र ढुआ व उनकी पत्नी रहे। प्रधान राकेश यादव व सचिव नरेंद्र बंसी ने बताया कि माता की चौकी में सर्वप्रथम कार्यक्रम पुरोहित पंडित नारायण शास्त्री ने विधिवत पूजन करवाया। गणेश वंदना मोहन सागर व माता का आह्वान गायकर नवीन वशिष्ठ ने किया। इसके बाद भजनों का दौर शुरू हुआ। जिसमें विकास जांगिड़ ने चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, मैं परदेशी हूं पहली बार आया हूं, हारा हूं मैया पर तुझपे भरोसा है जीतूंगा एक दिन ये दिल मेरा कहता है, सोनू पागल ने किस से करूं मैं मां की तुलना मां से बड़ा ना कोई, आए नवरात्रे मैया के, तू कितनी अच्छी है तू कितनी प्यारी प्यारी है आदि भजनों से माता की महिमा का गुणगान किया। टाईगर क्लब परिवार के सचिव नरेंद्र बंसी, अरुण सोनी, प्रवीण यादव ने यजमान को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मंच संचालन नरेंद्र बंसी ने किया। इस मौके पर डा. शिवकुमार यादव, सचिव नरेंद्र अरुण सोनी, प्रवीण यादव, भारत भूषण, रवि खन्ना, राहुल सोनी आदि मौजूद थे।

रागनियों के माध्यम से गाय के महत्व पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। वार्षिक उत्सव समारोह में मुख्य अतिथि को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्री कृष्ण बाल गोपाल गोशाला बिहाली में चल रहे चार दिवसीय छठे वार्षिक उत्सव में कांटी बांस के सरपंच देवी सिंह उर्फ देबू ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कैप्टन महावीर सिंह ने की, वहीं गौसेवक पूर्ण सिंह यादव, डॉ. चन्द्रभान नारनौल व डॉ. दलीप सिंह विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि ने गाय के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गाय को भारतीय संस्कृति में माता का दर्जा दिया गया है और इसका दूध, दही, घी और गोबर हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने गाय की रक्षा और संरक्षण करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर देवीसिंह देबू ने अपने निजी कोष से 51 हजार रुपए भेंट किए। यह एक प्रेरणादायी कदम है जो गाय के महत्व को बढ़ावा देने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि मानव को समय-समय पर गौवंश की सेवा करते रहना चाहिए तथा अपनी नेक कमाई से दान स्वरूप राशि देने में भी हिस्सेदारी रखनीं चाहिए। मंच का संचालन बाबू प्रहलाद सिंह ने किया। कार्यक्रम में हरियाणवी कलाकार सुरेश गोला एंड पार्टी ने रंगारंग प्रस्तुति देकर सभी को गदगद कर दिया। गोभक्त गांव बिहाली निवासी रामेश्वर दयाल ने 51 हजार 151 रुपये की राशि भेंट की। इसी गांव की निवासी मालता देवी पत्नी सुरेश कुमार ने 51 हजार रुपये, रविन्द्र व रामौतार बाछौद ने 21,21 हजार रुपये तथा रामौतार स्वामी ने 11 हजार रुपये, वहीं लालसिंह बांस, रामौतार साहब बिहाली ने 51 सौ रुपये दान स्वरूप भेंट किए।

स्नेह मिलन संगोष्ठी का आयोजन

नारनौल। कार्यक्रम में सम्मानित करती डा. कृष्णा आर्या।

नारनौल। लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ व मिशन महेन्द्रगढ़ अपना जल अभियान के सौजन्य से सेक्टर में शिक्षाविद मीरा वर्मा के निवास पर स्नेह मिलन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें गरिमा वर्मा को शादी की सालगिरह पर पौधा भेंट किया गया व आशीर्वाद के गीत गाकर सुखद दाम्पत्य जीवन की मंगलकामना की गई।लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ व मिशन महेन्द्रगढ़ अपना जल अभियान के सौजन्य से सेक्टर में शिक्षाविद मीरा वर्मा के निवास पर स्नेह मिलन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें गरिमा वर्मा को शादी की सालगिरह पर पौधा भेंट किया गया। इस अवसर पर मिशन महेन्द्रगढ़ अपना जल अभियान सदस्य व स्त्री शक्ति टीम से डा. कृष्णा आर्या, गीता यादव, ललिता यादव के साथ उपस्थित महिलाओं ने प्रकृति संरक्षण, जल संरक्षण, लोक परंपराओं के संरक्षण, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन व आशीर्वाद के लोकगीत गाकर गरिमा वर्मा को आशीर्वाद दिया व पौधारोपण करवाया। लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ अध्यक्ष डा. कृष्णा आर्या ने बताया कि प्रकोष्ठ सदस्य मीरा वर्मा व गरिमा वर्मा स्त्री सशक्तिकरण में बढ़ चढ़कर भाग लेती हैं और संस्था उनके अमूल्य सहयोग व निरंतर योगदान के लिए आभारी है। इस गोष्ठी में गीता यादव, ललिता यादव, मीरा वर्मा, सुमन, पूनम यादव, कृष्णा, पूनम, मंजू, सीमा, आदित्य, गरिमा आदि मौजूद थी।

हकेंवि में वित्तीय साक्षरता को लेकर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विवि के बीवॉक-रिटेल एवं लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट विभाग द्वारा क्रिया फाउंडेशन के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए वित्तीय साक्षरता व निवेशक जागरूकता विषय पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आज की विकासशील दुनिया में वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वित्तीय साक्षरता व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन के जटिल परिदृश्य को समझने और सही वित्तीय निर्णय लेने में मददगार साबित होती है। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. नवीन एवं सीए डॉ. अजय ने बताया कि वित्तीय साक्षारता व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन पर सीधा प्रभाव डालती है। सही वित्तीय साक्षरता के माध्यम से यथार्थवादी बजट बनाकर वित्तीय लक्ष्यों को प्राथमिकता दे सकते हैं। विवि के स्कूल ऑफ लाफ लोंग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विषेशजों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा बताया कि वित्तीय साक्षरता के सिद्धांतों को समझकर, व्यक्ति प्रभावी रूप से धन संचय कर सकते हैं और वित्तीय सुरक्षा प्राप्त कर सकते है। इससे पूर्व कार्यशाला के संयोजक डॉ. सुयश मिश्रा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि वित्तीय निर्णय का हमारे जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। वित्तीय साक्षरता निवेश के सही विकल्प चुनने में मददगार होती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। आठ दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मदन मोहन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) द्वारा सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर जागरूकता के लिए आठ दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में देशभर से 50 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति ने कहा कि शिक्षा नीति को सही स्वरूप में लागू करने में शिक्षकों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। शिक्षकों को एनईपी के विभिन्न पक्षों से अवगत कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में इन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में राष्ट्रीय शिक्षा नीति नए भारत के लिए युवा पीढ़ी को तैयार करने वाला दस्तावेज है। इसे क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है। उन्होंने कहा कि एनईपी शिक्षकों व विद्यार्थियों को अकादमिक आजादी देती है। एकेडमिक फैलेक्सिबिलिटी इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम को केवल प्रमाण-पत्र लेने तक सीमित न रखें। कोर्स के द्वौरान शिक्षाविदों की बातों पर अमल करें।

संघर्ष समिति ने मांगों को लेकर प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

योजनाओं के प्रचार में प्रशासन हो रहा विफल: संगठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। ज्ञापन की प्रति सौंपते विभिन्न संगठन। फोटो : हरिभूमि

सचिवालय में वंचित समाज के लिए चल रहे अंत्योदय केंद्र की ओर से समाज को जागरूक करने हेतु गत एक साल से कोई विज्ञापन जारी न करने व अब प्रशासन की ओर से जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय को अंत्योदय केंद्र में स्थानांतरण करने के मामले में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने रोष व्यक्त किया। इसके बाद सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में ज्ञापन की संयुक्त हस्ताक्षर युक्त प्रति उपायुक्त के उप अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह को सौंपकर अंत्योदय केंद्र को बंद करने की दखल अंदाजी न करके स्थिति को यथावत रखने की मांग की। मामले की जानकारी देते हुए संघर्ष समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल ने बताया कि प्रशासन की ओर से जिला कल्याण अधिकारी के कार्यालय को यथावत रखने की बजाय अब अंत्योदय केंद्र में स्थानांतरण किया जा रहा है। प्रशासन का यह कदम अति निंदनीय है, जो केंद्र को बंद करने का संकेत है। अंत्योदय केंद्र हरियाणा सरकार की वंचित के हितों के लिए यह महत्वपूर्ण योजना है। जहां वंचित समाज की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर फैमिली आईडी में अपडेशन करना, कन्यादान योजना, वृद्धावस्था व विधवा पेंशन, छात्रवृत्ति सहित लगभग 38 विभाग से संबंधित कार्यों हेतु गरीब लोगों के फार्म भरने का निःशुल्क कार्य किया जाता है। इस अवसर पर गुरु रविदास महासभा के प्रधान बलबीर सिंह बबेरवाल, प्रदेश लेखा सचिव रामकुमार ढैणवाल, धानक समाज के महेंद्र खन्ना, कोली समाज के तोताराम, खटीक समाज के पतराम खिंची, वाल्मीकि समाज के राजेश चांवरिया, संघर्ष समिति के हजारीलाल खटावला व शहरपुर के पूर्व सरपंच राजेश आदि ने प्रशासन की इस अव्यवहारिक कार्यशैली की घोर निन्दा करते हुए मांग की है कि वंचित समाज को जनकल्याणकारी योजनाओं से जागरूक करने के लिए गत एक साल से बंद विज्ञापन को पुनः जारी कर जानकारी दी जाए।